दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

शोध प्रवेश परीक्षा – 2023-24 हेतु पाठ्यक्रम

पार्ट A: शोध-प्रविधि

- अनुसंधान का स्वरूप, अवधारणा और उसके विविध क्षेत्र, अनुसंधान का प्रयोजन, अनुसंधान तथा आलोचना।
- अनुसंधान के प्रकार और उसकी पद्धतियां – ऐतिहासिक, भाषा वैज्ञानिक एवं शैली वैज्ञानिक, तुलनात्मक, समाजशास्त्रीय, अन्तरअनुशासनिक, मनोवैज्ञानिक, काव्यशास्त्रीय, पाठानुसंधान एवं पाठालोचन।
- साहित्यिक अनुसंधान की मूल–दृष्टि और उसके तत्व।
- अनुसंधान के चरण– विषय चयन, विषय की रूपरेखा (अध्याय योजना), सामग्री–संकलन और उसका उपयोग, शोध–साहित्य–समीक्षा।
- शोधकार्य की प्राक्कल्पना, उद्देश्य और महत्व।
- शोध–प्रबन्ध लेखन : शोध–प्रबन्ध की आंगिक व्यवस्था, सामग्री का विभाजन तथा संयोजन, उद्धरण तथा सन्दर्भ–उल्लेख, उपसंहार, परिशिष्ट, ग्रंथ–सूची एवं अनुक्रमणिका ।

पी॰ एच॰ डी॰ हिन्दी प्रवेश-परीक्षा, 2024

पार्ट B: हिन्दी

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, साहित्य का इतिहास, अर्थ स्वरूप, दर्शन एवं अवधारणा, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन के स्रोत एवं परंपरा नामकरण और कालविभाजन, आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, लौकिक साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ। 15 प्रश्न

भक्ति आन्दोलन, धार्मिक एवं तत्कालीन सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश, संत काव्यधारा, प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा एवं सामाजिक संस्कृति-समाज का स्वप्न। वैष्णव भक्ति-दर्शन एवं सम्प्रदाय, सगुण भक्ति परंपरा, रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्यधारा, सम्प्रदाय, मुक्त कवि - मीरा, रसखान। भक्तिकाल की अन्य काव्य प्रवृत्तियाँ, नीतिकाव्य, वीर काव्य, रीतिकाव्य; भक्तिकालीन साहित्य का प्रदेय।

रीतिकालीन साहित्य के पूर्व स्रोत एवं नामकरण, रीतिशास्त्र और काव्य रीतिकाव्य के भेद - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त, रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल की गौण प्रवृत्तियाँ, रीतिनिरूपण एवं शृंगारिकता, नीतिकाव्य, भक्तिकाव्य, वीर काव्य - प्रवृत्तियाँ, प्रकृतिकाव्य, रीतिकालीन साहित्य की उपलब्धियाँ।

मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ, अन्तर और मूल्य बोध, नवजागरण के विविध चरण - भारतेन्दु युग, द्विवेदीयुग और छायावाद, राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी साहित्य। हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाएँ : निबंध, नाटक, कहानी और आलोचना का उद्भव तथा विकास का आकलन।

प्रगतिशील आन्दोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, साहित्य के प्रमुख आंदोलन एवं उनकी विशेषताएँ) अकविता, नयी कहानी, सचेतन कहानी, प्रतिबद्ध कहानी, नवगीत, समकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं नये सरोकार।

2. साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना : भारतीय काव्य शास्त्र - काव्य का स्वरूप, प्रयोजन एवं भेद, 10 प्रश्न रस-स्वरूप, अवयव, भेद, अलंकार का स्वरूप, महत्व, काव्य-गुण, काव्य-दोष; शब्द-दोष, पद-दोष, अर्थ-दोष, रस दोष, शब्द-शक्तियाँ। पाश्चात्य काव्य शास्त्र - अनुकृति सिद्धान्त, क्लासीसिज्म, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, रूपवाद, नयी समीक्षा, कल्पना, बिम्ब प्रतीक मिथक, फैंटेसी। हिन्दी आलोचना - आलोचना का स्वरूप और परिभाषा, आलोचक के गुण, आलोचना की पद्धतियाँ, हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचक, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ॰ नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, डॉ॰ नामवर सिंह।

3. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, 10 प्रश्न अर्थ, विकास, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा और बोली, हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी के साहित्यिक रूप, हिन्दी शब्द-समूह और उसके मूल स्रोत, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण हिन्दी भाषा की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका। भाषा विज्ञान का इतिहास - भाषा विज्ञान की विभिन्न धारणाएँ, मनोभाषिकी, भाषा-भूगोल, लिपि की परिभाषा, विकास, अवस्थाएँ, भारत की प्राचीन लिपियाँ, देवनागरी लिपि।